भारत सरकार

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय

(खेल विभाग)

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1473

उत्तर देने की तारीख 12 दिसम्बर, 2023

21 अग्रहायण, 1945 (शक)

तमिलनाडु में खेल अवसंरचना

1473. श्री दयानिधि मारन:

क्या युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री यह बताने की 'कृपा' करेंगे किः

(क) पिछले पांच वर्षों और चालू वर्ष के दौरान तमिलनाडु में खेल अवसंरचना में वृद्धि करने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सम्पूर्ण देश में मौजूदा खेल सुविधाओं को उन्नत करने या नई सुविधाओं के निर्माण के लिए किसी विशिष्ट योजना/परियोजनाएं की योजना बनाई गई हैं/कार्यान्वित की गई है। और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और पिछले पांच वर्ष और चालू वर्ष के दौरान प्रत्येक राज्य को इसके लिए कितनी धनराशि आवंटित की गई और दी गई है;

(ग) क्या सरकार ने तमिलनाडु में जमीनी स्तर पर खेल प्रतिभाओं की पहचान करने और उन्हें प्रोत्साहन देने के लिए कोई कार्यक्रम शुरू किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या पारंपरिक खेल क्रियाकलापों को संरक्षित करने और लोकप्रिय बनाने के लिए कोई विशिष्ट कार्यक्रम हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस संबंध में कितनी धनराशि आबंटित की गई है?

उत्तर

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री

(श्री अनुराग सिंह ठाकुर)

(क) और (ख): 'खेल' राज्य का विषय होने के कारण, खेल अवसंरचना में वृद्धि करने और वर्तमान खेल सुविधाओं को उन्नत करने या देश भर में नए निर्माण करने सहित खेलों के विकास का मुख्य उत्तरदायित्व मुख्य रूप से राज्य/संघ राज्य सरकारों का होता है। केंद्र सरकार केवल महत्वपूर्ण कमियों को दूरकर उनके प्रयासों में सहायता करती है। तथापि, खेलो इंडिया स्कीम के "खेल अवसंरचना का निर्माण और उन्नयन" घटक के तहत, इस मंत्रालय ने तमिलनाडु सहित राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकारों और अन्य पात्र संस्थाओं से प्राप्त प्रस्तावों के आधार पर देश भर में विभिन्न श्रेणियों की 307 खेल अवसंरचना परियोजनाओं (30.11.2023 तक) को अनुमोदित किया है। तमिलनाडु राज्य सहित, खेलो इंडिया स्कीम के तहत संस्वीकृत

खेल अवसंरचना परियोजनाओं का राज्य-वार विवरण https:// mdsd. khiloindia.gov.in डैशबोर्ड पर पब्लिक डोमेन में उपलब्ध है। इस मंत्रालय में धनराशि राज्य-वार नहीं, बल्कि स्कीम-वार आवंटित की जाती है।

(ग) खेलो इंडिया स्कीम के "प्रतिभा पहचान और विकास" उप-घटक के तहत तमिलनाडु राज्य सहित पूरे देश में जमीनी स्तर पर खेल प्रतिभाओं की पहचान और पोषण किया जाता है। इसके अतिरिक्त, युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय के तहत एक स्वायत्त संगठन, भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) तमिलनाडु राज्य सहित पूरे देश में विभिन्न आयु समूहों में प्रतिभावान खिलाड़ियों की पहचान करने और उनका पोषण करने के लिए साई प्रशिक्षण केंद्र (एसटीसी) और स्वदेशी खेल और मार्शल आर्ट (आईजीएमए) की स्कीमों को कार्यान्वित करता है।

(घ) खेलो इंडिया स्कीम के उप-घटकों में से एक, "ग्रामीण और देशज/जनजातीय खेलों का संवर्धन" विशेष रूप से देश में पारंपरिक खेलों के विकास के लिए है। इस मंत्रालय द्वारा खेलो इंडिया स्कीम के अंतर्गत देशज/पारंपरिक खेल मल्लखंभ, कलारिपयाटु, गतका, थांग-ता, योगासन और सिलंबम की पहचान उनके संवर्धन के लिए की गई है। वित्तीय वर्ष 2023-24 में पारंपरिक खेलों के विकास सहित खेलो इंडिया स्कीम के कार्यान्वयन के लिए 800 करोड़ रु. की धनराशि आवंटित की गई है।

*****